68

№ 008720S

Himachal Government Judicial Paper

कीमत भूमि:	बाबत:	अष्टाम्प:	फीस अष्टाम्प:	नक्लें:	रूप:
1,134-88/-	"हिब्बा नामा"	121/-	चार	50	500
	×-×-×-×-×-×-×	75×1,40×1,3×2=×			

रकबा:-

3-17 बिघा

×-×

❨ हिब्बा ना मा ❩

यह कि विलेख हिब्बा नामा आज दिनांक:- 6 अप्रैल सन 1991 को श्री मति परागो देवी, विधवा श्री शिव दत्त, पुत्र श्री न मालूम उमर 60 साल, साकिन मौजा धैरी, परगना धुन्धियारा, उप-तहसील कृष्णगढ़, जिला सोलन हिमाचल प्रदेश ❨ जिसे पहले पक्ष में दाता कहा गया है ❩ व सर्व श्री सुरेन्द्र कुमार उमर 14 साल, श्री गोपाल सिंह, उमर 04 साल, व श्री जोगिन्द्र सिंह उमर 02 साल, पुत्राण श्री सन्त राम, पुत्र श्री शिव राम, साकिन मौजा धैरी, परगना धुन्धियारा, उप-तहसील कृष्णगढ़, जिला सोलन हिमाचल प्रदेश बजरीया संरक्षक पिता श्री सन्त राम उक्त ❨ जिसे इसमें उपरान्त अदातागण कहा गया है ❩ द्वितीय पक्ष के बीच लिखा गया है ।

यह कि दाता भूमि खेवट/खतौनी न० 5/14 किता 6 रकबा तादादी 31 बिघा व 5 बिस्वा में से 1/24 हिस्सा रकबा तादादी का बिघा व 6 बिस्वा

पृष्ठ-: 2 :-

R-T-I

परागो देवी

हिब्बा नामा
5134.88/-
अलग्न मु० 120/-

कार्यालय उप पंजीकार
कृष्णगढ़

Sub-Registrar
Krishangarh, District Solan (H.P.)

RTI मु० परागोदेवी
पेशकर्त्ता

परसोदेवी वेवा शिवदत्त
यह विलेख .... पुत्र/पुत्री...........
निवासी खेरी .... परगना पट्टा महलोग उप तहसील
कृष्णगढ़ ने आज दिनांक 6-4-91 तदानुसार
.... को मेरे कार्यालय में पंजीकरण
हेतु पेश किया

Sub-Registrar
Krishangarh, District Solan (H.P.)

69

No. 0087209 **Himachal Government Judicial Paper**

-: 2 :-

वाकिया मौजा बेरी, परगना ध्रुंदियारी, तहसील कसौली, जिला सोलन व भूमि खेवट/खतौनी न० 31/35 किता 13 रकबा तदादी 60 बिघा व 13 बिस्वा में से 1/24 हिस्सा रकबा तदादी 2 बिघा व 11 बिस्वा, खेवट/खतौनी 32/36, किता 2 रकबा तदादी 6 बिघा व 3 बिस्वा में से 2/369 हिस्सा, रकबा---, खेवट/खतौनी न० 33/37 खसरा न० 399 रकबा तदादी 0-1 बिघा में से 1/72 हिस्सा रकबा:- व भूमि खेवट/खतौनी न० 34/38 किता 3 रकबा तदादी 3-11 बिघा में से 1/192 हिस्सा रकबा तदादी :- वाकिया मौजा खुम्ला, परगना ध्रुंदियारी, उप-तहसील कृष्णगढ़, जिला सोलन हि०प्र० की मालिक तथा काबिज है जैसा कि नकल जमाबन्दी साल 1987-88 व 1986-87 में दर्शाया गया संलग्न है ।

यह कि अदालतगण दाता के अपने सगे पोते है, जोकि दाता की टहल सेवा खबरगिरि को सरअन्जाम देते आ रहे है दाता अपने पोतों से बहुत खुश है अपनी खुशी तथा रजामन्दी से अपनी उपरोक्त तमाम जायदाद खाता न० 5 का अपना 1/24 हिस्सा रकबा तदादी एक बिघा व 6 बिस्वा वाकिया मौजा बेरी, व खाता न० 31 का अपना 1/24 हिस्सा रकबा तदादी 2 बिघा व 11 बिस्वा, खाता न० 32 का अपना 2/369 हिस्सा, खाता न० 33 का अपना 1/72 हिस्सा व खाता न० 34 का अपना 1/192 हिस्सा तमा आबादी बेरी वाकिया मौजा खुम्ला,

पृ०-: 3 :-

21.7.2

परमेश्वरी देवी

इस विलेख का शब्द-ब-शब्द पेशकर्ता को निम्न लिखित गवाहान के समक्ष पढ़ कर सुनाया व समझाया गया, जिसे सुन व समझ कर उस ने इस के निष्पादन को सही स्वीकार किया।

पेशकर्ता ने रु० .... रु० पहले [illegible] प्राप्त करने [illegible] रु० .... रु० (..........) [illegible] समक्ष [illegible] ने वसूल कर लिया स्वीकार [illegible]। दाता दान देना व दान ग्रहण कर्ता दान लेना स्वीकार करता है।

श्री .... मैं स्वयं परिचित हूं [illegible] गवाह की भी पहचान करता हूं [illegible] विलेख पंजीकृत होवे।

Sub-Registrar
Krishangarh, District Solan (H.P.)

[illegible]
गवाह न०1

[illegible] मुख्त्यारो देवी
दाता

गवाह न०2

SANTRAM
दान ग्रहण कर्ता
[illegible] पिता

0087210 1990 **Himachal Government Judicial Paper**

70

परगना [illegible], उप-तहसील कृष्णगढ़, जिला सोलन हि0प्र0 अदातागण को बहिस्सा बराबर दान/हिब्बा (पुन्न हिब्बा) में देती है ।

यह कि अब अदातागण उपरोक्त रकबा के मालिकान तथा काबिजान है जिनको कि उपरोक्त रकबा बैय करने, रेहन करने, हिब्बा करने, तबादला करने, व पट्टा आदि पर देने का पूर्ण अधिकार तथा क्षमता है । दाता ने अदातागण को मौका पर उपरोक्त रकबा का कब्जा सौंप दिया है अब अगर उपरोक्त रकबा

~~[illegible]~~

~~[illegible]~~ का इन्तकाल दाता की गैर-मौजूदगी में अदातागण के नाम तस्दीक हो जावे तो दाता को कोई एतराज नहीं होगा । दाता अपने तमाम हक हकूक जो भी दाता को उपरोक्त रकबा के सम्बन्ध में है या होते हो, जैसे, पथ, जल, वायु, प्रकाश, [illegible], भोग अधिकार, आवपाशी, आवनोशी, चरान्द, कटान्द, वन अधिकार, आबादी का अधिकार तथा अन्य अधिकार जो भी हो अब वह पूर्ण अदातागण को हासिल होंगे । दाता यह भी [illegible] विश्वास दिलाती है कि उपरोक्त भूमि हर प्रकार से साफ व पाक है तथा यह भी लिखा देती है कि उपरोक्त भूमि पर अब उनके किसी वारिस उत्तराधिकारी का कोई वास्ता किसी किस्म का नहीं होगा।

R.T.I.

जराठो देवी

प्रमाणित किया जाता है कि विलेख सं० 39
दिनांक 6-4-91 पंजीकृत हो कर बही सं० 1
के खण्ड सं० 2 के पृष्ठ सं० 6 पर
दर्ज हुआ तथा प्रति अतिरिक्त बही सं० 1
के भाग संख्या 8 के पेज न० 68
से 71 तक चस्पा किये गये तथा अन्य
कागजात अनुपूरक बही संख्या 1 के भाग न० 3 के पेज
से 63 तक चस्पा किये गये ।

Sub-Registrar
Krishangarh, District Solan (H.P.)

№ 0087211 1990 **Himachal Government Judicial Paper**

यह कि विलेख हिब्बा नामा में प्रयोग किये गये शब्दों में दाता व अदातागण के अतिरिक्त उनके जाईज वारिस उत्तराधिकारी भी सम्मिलित समझे जावेंगे।

अतः दाता ने अपने तन-मन की पूर्ण स्वास्थ्य अवस्था तथा स्वातन्त्र इच्छा से निम्न [illegible] हस्ताक्षर करने वाले साक्षियों की मौजूदगी में हस्ताक्षर कर दिये की प्रमाणित रहें और वक्त जरूरत काम आवे। मजमून हिब्बा नामा पढ़ा कर सुन व समझ लिया जो कि सही व दुरुस्त है आज दिनांक:- 6 अप्रैल सन 1991 स्थान कुज्याघ/कसौली।

गवाहः-

1. रामकिशन (हस्ताक्षर)
   राम किशन नम्बरदार साकिन बेहाली, डा० कसौली

2. R. C. Sharma (हस्ताक्षर)
   श्री रमेश चन्द्र शर्मा, S/o श्री [illegible] राम, स० [illegible] डा० कसौली

दाता:- R. 7 E [illegible]
(श्री मति परागो देवी)

अदातागण

1. सुरेन्द्र कुमार, गोपाल सिंह, व जोगिन्द्र सिंह बजरीया पिता
   SANTRAM
   (सन्त राम)

Sub-Registrar
Krishangarh, District Solan (H.P.)

Sub-Re
Krish

Form No. 64.

मौजा खैरी   जिला सोलन

[illegible] बन्दी/मिसल [illegible] बाबत साल 1987/1988 को इसकी दरख्वास्त पर दी गई — इन्द्राज आखरी मुकम्मल जमाबन्दी साल

श्रीमती

नम्बर खेवट/खतौनी	नाम मालिक व तादाद 3	नाम काश्तकार व मुद्दत 4	नाम चाह या दीगर वसायल आबपाशी 5	नम्बर खसरा साबिक	नम्बर खसरा हाल	रकबा 6	किस्म अराजी	लगान 7	मालगुजारी माल 8	मालगुजारी सवाई	कैफियत 9
	1-63 कुल 12 भाग जानकीराम सन्त राम सावन सिंह दुर्गा सिंह, जगदीशचन्द पुत्र व श्रीमती तुलसी देवी सुमित्रा देवी सुभद्रा देवी इन्द्रा सिंह गीता देवी रामप्यारी समभाग (11) भाग फरागोदेवी प्रेमदेवी विधवा शिवदत्त समभाग 1 भाग साबित्री देवी	काश्त व मकबूजा खुद			किता	31-5 मजरुआ 8-0 क्यार अव्वल 2-9 क्यार दोम 5-2 बाखल अव्वल 0-9 गैर मजरुआ 23-5 बंजर कदीम 1-8 घासनी 21-17			8.80	4.84	705 ए० 1964 श्रीमती तुलसी देवी, साबित्री देवी सुभद्रा कुमारी इन्द्रा देवी, गीता देवी राम प्यारी पुत्री शिवदत्त बहक जानकीराम दुर्गा सिंह जगदीश चन्द पुत्र शिवदत्त समभाग मिती 28-9-88 को मन्जूर है। [signature]

Sub-Registrar Nalagarh, District Solan (H.P.)

नकल मुताबिक असल के सही व दुरुस्त है। हस्ब मनशा सायला तैयार करके बाखजां उजरत वसूल पाई। R.R. No. 275 Dated 3-4-91

[illegible]

Form No. 66.

नकल जमाबन्दी/~~मिसल हकीयत~~ बाबत साल 1986/1987 मौजा बडलगा 501 जिला सोलन
मुसम्मी ... जो इसकी दरख्वास्त पर दी गई — इन्दराज आखरी मुफस्सल जमाबन्दी साथ

नाम तरफ या पत्ती (2)	नाम मालिक व अहवाल (3)	नाम काश्तकार व अहवाल (4)	नाम चाह या दीगर वसायल आबपाशी (5)	नम्बर खसरा साबिक	नम्बर खसरा हाल	रकबा व किस्म अराजी (6)	लगान (7)	मालगुजारी माल (8)	मालगुजारी सवाई (8)	कैफियत (9)
	कुल 12 भाग जानकी राम- सन्त राम- सावन सिंह- दुर्गा सिंह जगदीश चन्द् पुत्रान व श्रीमती तुलसी देवी- सावित्री देवी- सुभद्रा देवी इन्दा देवी गीता देवी राम प्यारी सम भाग 11 भाग व कृष्णा देवी प्रेम देवी सम भाग 1 भाग विधवा शिवदत्त सा० देह	खुद काश्त			कित्ता 13	60-13 मजरूआ 26-5 क्यार अव्वल 3-8 बाखल अव्वल 20-10 बाखल दोम 2-0 बाखल सोम 0-7 गैर मजरूआ 33-18 बंजर कदीम 3-3 घासनी 30-6 गैर मुम० 0-9		12.68	6.95	नं० इं० 607 खिरीफ़ 90 नोट: नम्बरपे इन्तकाल नं० 607 ब श्रीमती तुलसी देवी, सावित्री देवी, सुभद्रा कुमारी, इन्द्रा देवी, गीता देवी, राम प्यारी सम भाग 1/2 भाग बहक जानकी राम जगदीश चन्द दुर्गा सिंह प्रत्येक सम भाग 1/2 भाग मिती 28-9-88 को मन्जूर हो R Sharma

Sub-Registrar
Krishangarh, District Solan (H.P.)

1/24 — 2-11

Fees 771-57

बालकराम शर्मा
पटवारी बडलगा
3-4-91

R.R. No 276 Dated 3-4-91

नकल जमाबन्दी/~~मिसल हकीयत~~ बाबत साल 1986/1987 मौजा बरुणा/धना जिला सोलन
जो दुसम्मी को इसकी दरख्वास्त पर दी गई—इन्द्राज बाकी मुफस्सल ...

नम्बर खाता खतौनी 1	नाम तरफ या पत्ती 2	नाम मालिक व ऐहवाल 3	नाम काश्तकार व ऐहवाल 4	नाम चाह या दीगर वसायल आबपाशी 5	तफसील खेत हाय — नम्बर खसरा — साबिक	तफसील खेत हाय — नम्बर खसरा — हाल	रकबा 6	किस्म अराजी	लगान 7	मालगुजारी — माल	मतफर्रिक 8
32/36		कुल 123 भाग वासुदेव आदि मु० खे० नं० (2) 20 भाग बुधराम मु० खे० नं० (3) 30 भाग रामरिजु आदि मु० खे० नं० (4) 20 भाग बुधराम आदि (9) 16 भाग निखु मु० खे० नं० (12) 16 भाग चैतराम आदि मु० खे० नं० (18) 16 भाग जानकीराम आदि मु० खे० नं० (31) 16 भाग सा० देह	मकबूजा शिदा विभाग			किता 2	6-3 गैर मकबूजा घासनी 6-3		शामिल अव्वल खाता		

मैं तस्दीक करता हूं कि नकल बमुताबिक असल सही और दरुस्त है।
उजरत वसूल शुदा
अलबद ...राम ... पटवारी
ता०

हिस्सा 2/369 ...

Form No. 64

साल 1986 / 1987 मौजा पाडलापुर (?) जिला सैलाना

नम्बर खसरा — साबिक | हाल | रकबा | किस्म अराजी | लगान

कुल 72 भाग मकबूजा
वासुदेव पु० खे० नं०(1) 11 भाग गलकान
बेघराम पु० खे० नं०(3) 4 भाग
रामदिनु आदि पु० खे० नं०(4) 4 भाग
परमानन्द आदि पु० खे० नं०(5) 2 भाग
मूलचन्द पु० खे० नं०(6) 2 भाग
कुशलराम पु० खे० नं०(8) 2 भाग
निक्कू पु० खे० नं०(12) 6 भाग
दीपराम पु० खे० नं०(9) 3 भाग
सावलू पु० खे० नं०(15) 3 भाग चैतराम आदि पु० खे० नं०(17) (भाग) जानकीराम आदि पु० खे० नं०(24) 24 भाग

399 0-1
गैर मुमकिन खाला

स्वाल रस वाहद

Sub-Registrar ... Solan (H.P.)

[illegible signature]

इन्तखाब जमाबन्दी/~~मिसल हकीयत~~ बाबत साल 1986/1987 मौजा बघल्ला(?) 401 जिला सोलन
जा मुस्मी को इसकी दरख्वास्त पर दी गई—इन्द्राज ख़ाबरी मुफस्सल जमाबन्दी

नम्बर खाता खतौनी	नाम तरफ या पत्ती	नाम मालिक व ऐहवाल	नाम काश्तकार व ऐहवाल	नाम चाह या दीगर वसायल आबपाशी	तफसील खेत हाय: नम्बर खसरा: साबिक	तफसील खेत हाय: नम्बर खसरा: हाल	रकबा	किस्म अराज़ी	लगान	मालगुज़ारी: माल	मालगुज़ारी: सवाई
1	2	3	4	5			6		7		8
34/38		कुल 480 भाग बुधराम मु० (3) 40 भाग मकबूजा मालकान स्वे० नं० (3) 40 भाग राम दित्तु आदि मु० खे० नं० (4) 40 भाग परमानन्द आदि मु० खे० नं० (5) 120 भाग पूर्णचन्द मु० खे० नं० (6) 20 भाग दीपराम आदि मु० खे० नं० (10) 15 भाग निक्कूराम मु० खे० नं० (12) 11 भाग चैतराम आदि मु० खे० नं० (18) 60 भाग मस्तराम मु० खे० नं० (25) 24 भाग मथोराम मु० खे० नं० (26) 6 भाग चैतराम आदि मु० खे० नं० (24) 12 भाग परसराम मु० खे० नं० (27) 6 भाग जानकीराम आदि मु० खे० नं० (31) 60 भाग जगन्या आदि मु० खे० नं० (68) 120 भाग नारकु पेवा निक्कू 15 भाग राम किशन 30 भाग सा० देह				कित्ता 3	3-11 गैर मजरूआ गैर मुमकिन कुहल 3-11			स्वाग(?) कृत्त(?) पाड़(?)	

मैं तस्दीक करता हूं कि इन्तखाब बमूए कागजात सही और दरुस्त है ।
उजरत वसूल शुदा
अलबद बाबकराम(?) पटवारी हल्का(?)
ता0 3-4-91

R.R.No. 276
Dated 3-4-91

हाषिक प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि सर्व श्री सुरेन्द्र कुमार गोपाल सिंह जोगिन्द्र सिंह पुत्र सन्त राम पुत्र शिवदत्त सा० खैरी परगना धड़ासियांग उपतह: कृष्णगढ़ जिला सोलन (हि० प्र०) जो कि द पुश्त दर पुश्त से रहने वाले स्थाई निवासी है। तथा सुरेन्द्र कुमार वगैरा उपरोक्त के पिता के नाम देह हजा में 6-बीघा भूमि है। जिस को स्वयं काश्त करते है। रिपोर्ट सेवा मे पेश है।

Sub-Registrar Sub-Tehsil Baldi (H.P.) Krishangarh

हलका राम शीला
पटवारी हलका
3-4-91

नक्शा औसत बै एक साला वर्ष 1989-90
बावत मौजा बढ़लाग 401 परगना घट्टसियांग
उप तहसील कृष्णगढ़, जिला सोलन (हि०प्र०)

नं० ख०	नाम खत	तफसील जमीन आबी अव्वल	आबी दोम	बा० अव्वल	बा० दोम	बं० सा०	बं० का० घा० गैर मु०	कुल रकबा	जरे बै
I	1989/1990	-	-	0-11	-	-	0-2	0-13	4500/=
औसत प्रति बिस्वा		48.44	41.52	24.22	20.76	17.30	3.46		
औसत प्रति बीघा		968.80	810.40	484.40	415.20	346.00	69.20		

... Solan (H.P.)

नकल मुताबिक असल के सही व
दुरुस्त है। उजरत वसूल हुई।

बालकराम शर्मा
पटवारी बढ़लाग
3-4-91